लामडिंग दर्पण

पूर्वोत्तर सीमा रेल, लामडिंग मंडल

वर्ष 7 अंक 25 जनवरी- मार्च 2016

लामडिंग मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक

श्री प्रमोद कुमार जैन, 28 अप्रैल 2016 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के लामडिंग मंडल में नए मंडल रेल प्रबंधक का पदभार ग्रहण किए हैं। आपने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरी से बी.ई. सिविल तथा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली से एम.टेक. कंप्यूटर साइंस की डिग्री हासिल की है। आप भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी सेवा के 1985 बैच के अधिकारी हैं। आपने उत्तर रेल में सहायक मंडल इंजीनियर, टुंडला के रूप में रेलवे में अपनी सेवा आरंभ की तथा उत्तर रेल, पूर्व मध्य रेल, पूर्व रेल, कोंकण रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और रेल विकास निगम लिमिटेड में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर सेवा प्रदान की है। आपके पास ब्रिज, सुरंग, तटबंध, रेल यार्ड, कारखाना, भवन से संबंधित डिजाइनिंग और निर्माण का 20 वर्ष का अनुभव है। आपने डेनमार्क में ब्रिज इंजीनियरी एवं निर्माण के बारे में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

लामडिंग मंडल में नई गाड़ियों का शुभारंभ

13 जनवरी 2016 को बदरपुर- कुमारघाट - अगरतला तक पहली ट्रायल विशेष रेल गाड़ी के अगरतला रेल स्टेशन पर आगमन का स्वागत करते हुए माननीय रेल राज्य मंत्री, श्री मनोज सिन्हा, पू. सी. रेल के महाप्रबंधक, श्री एच. के. जग्गी तथा मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष, निर्माण संगठन के अधिकारी एवं लामडिंग मंडल के अधिकारीगण।

20 फरवरी 2016 को माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभु ने सिलचर से नई दिल्ली के लिए पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सिलचर तक बढ़ाया गया) और दो वाणिज्यिक मालगाड़ी को बदरपुर से जिरीबाम (मणिपुर) और बदरपुर से जिरनीया (त्रिपुरा) के लिए सिलचर और बदरपुर के बीच एक वीडियो लिंक के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस आशय का एक समारोह सिलचर स्टेशन पर आयोजित किया गया। समारोह में माननीय रेल मंत्री, श्री सुरेश प्रभु, महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री एच. के. जग्गी सहित कई सांसद एवं विधायक उपस्थित थे।

4 मार्च 2016 को माननीय रेलमंत्री द्वारा रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली से वीडियो लिंक के माध्यम से आईसीएफ कोचों से युक्त कामाख्या- भगत की कोठी एक्सप्रेस (15624/15623) नामक एक नई रेल गाड़ी का उद्घाटन किया गया। कामाख्या- भगत की कोठी एक्सप्रेस को कामाख्या स्टेशन पर हरी झंडी दिखलाकर रवाना करते हुए महाप्रबंधक तथा अपर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल।

लामडिंग दर्पण

वर्ष 7 अंक 25 जनवरी- मार्च 2016

लामडिंग मंडल की उपलब्धियाँ - एक नजर में

फोटो दीर्घा

जागीरोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री नीरज कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग तथा मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण।

कपिली ब्रिज का निरीक्षण करते हुए श्री एच.के. जग्गी, महाप्रबंधक , पूर्वोत्तर सीमा रेल ।

होजाई स्टेशन का निरीक्षण करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल।

जुगीजान स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल, श्री एच. के. जग्गी।

इलैक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग केबिन का निरीक्षण करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ।

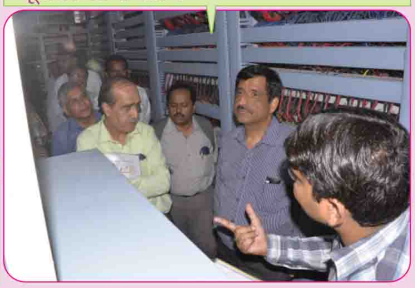

लामडिंग मंडल में नए उद्घाटन

जागीरोड स्वास्थ्य केंद्र में डायबेटिज डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ करते हुए महाप्रबंधक, पू.सी.रेल, श्री एच. के. जग्गी।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल तथा स्वामी अच्युतेशानंद, सचिव, रामकृष्ण मिशन।

लामडिंग स्टेशन परिभ्रमण क्षेत्र का उद्घाटन करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल साथ में मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग।

पुरस्कार एवं सम्मान

सेक्शन में कार्यरत गेटमैन को स्पॉट एवार्ड प्रदान करते हुए श्री एच.के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल।

मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक, लामडिंग को पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल।

जागीरोड - लामडिंग सेक्शन में ट्रैकमैन के गैंग को स्पॉट एवार्ड प्रदान करते हुए श्री एच. के. जग्गी, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल।

शहीद दिवस के अवसर पर 30 जनवरी 2016 को लामडिंग मंडल में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को सम्मान पूर्वक याद किया गया।

विविध

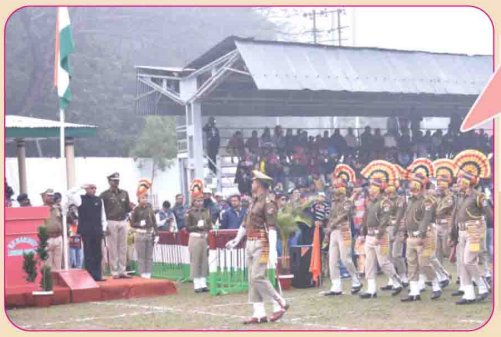

श्री नीरज कुमार, मंडल रेल प्रबंधक , लामडिंग द्वारा गणतंत्र दिवस 2016 के परेड की सलामी लिए जाने का दृश्य।

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे।

मंडल मुख्यालय लामडिंग के सभाकक्ष में 31 मार्च 2016 को अपर मंडल रेल प्रबंधक, श्री संजय नैय्यर की अध्यक्षता में आयोजित सेवानिवृत्ति के लिए निपटारा बैठक में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारी।

पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर आधारित प्रदर्शनी रेलगाड़ी ''विज्ञान प्रदर्शनी जैव विविधता स्पेशल'' के प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य अधिकारीगण।

जैव डीजल लोकोमोटिव फ्यूलिंग प्वाइंट का प्रतिस्थापन

भारतीय रेल द्वारा हरी उर्जा पहल के एक भाग के रूप में 24 फरवरी 2016 को न्यू गुवाहाटी डीजल शेड में पहला जैव डीजल इंधन भरने के केन्द्र का उद्घाटन पूर्वोत्तर सीमा रेल और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, गुवाहाटी के अधिकारियों की उपस्थिति में पूर्वोत्तर सीमा रेल के मुख्य यॉत्रिक इंजीनियर/ओ एण्ड एफ/ श्री ई. टिग्गा और इंडियन ऑयल-एओडी राज्य कार्यालय, गुवाहाटी के उप महाप्रबंधक (सीएस), श्री पार्थ दत्ता द्वारा संयुक्त रूप किया गया। डीजल लोको शेड, न्यू गुवाहाटी ग्रीन मिशन की पहल करने में अग्रणी है तथा शेड पहले से ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा शून्य प्रवाह निर्वहन के लिए प्रमाणित है।

रेलवे संरक्षा आयुक्त द्वारा लामडिंग मंडल में निरीक्षण

श्री एस. के. पाठक, रेलवे संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व और पूर्वोत्तर सर्किल, कोलकाता ने 9 तथा 10 मार्च 2016 को लामडिंग - बदरपुर - सिलचर सेक्शन में अरूणाचल - जीरीबाम सेक्शन और 27 मार्च 2016 से 31 मार्च 2016 तक लामडिंग - बदरपुर - अगरतला सेक्शन में बदरपुर - कुमारघाट - अगरतला सेक्शन के आमान परिवर्तन कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक, लामडिंग, श्री नीरज कुमार तथा मंडल के शाखा अधिकारी रेलवे संरक्षा आयुक्त के साथ थे। निरीक्षण में निर्माण संगठन का प्रतिनिधित्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी और अधिकारियों की उनकी टीम द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान सेक्शन में मोटर ट्रॉली निरीक्षण के साथ-साथ स्पीड ट्रॉयल निरीक्षण भी किया गया।

श्री एस. के. पाठक, रेलवे संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व और पूर्वोत्तर सर्किल, कोलकाता द्वारा निरीक्षण किए जाने का दृश्य।

लामडिंग दर्पण

वर्ष 7 अंक 25 जनवरी- मार्च 2016

रहस्मयी जातिंगा घाटी

– संजय नैय्यर

जातिंगा घाटी असम के डिमाहासाओ जिला के हाफलांग शहर से लगभग 9 कि.मी. दक्षिण में, गुवाहाटी से लगभग 330 कि.मी., सिलचर से 106 कि.मी. तथा लामडिंग रेलवे स्टेशन से 109 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। यहाँ सड़क तथा रेल मार्ग दोनों से जाया जा सकता है। जातिंगा लामपुर रेल स्टेशन इस घाटी से निकटतम रेल स्टेशन है। इसी घाटी में जातिंगा नामक गॉव है, इस गॉव के उत्तरी हिस्से में लगभग 1.5 कि.मी. के विशेष दायरे मे पक्षी आत्महत्या करने के लिए आते हैं। जातिंगा घाटी का प्राकृतिक दृश्य बहुत मनोरम है। हरी-भरी घाटी तथा छोटे-बड़े पहाड़ अनायास ही लोगो का मन मोह लेने में सक्षम हैं। एक ऐसी मनोरम घाटी में अप्रवासी पक्षियों द्वारा आत्महत्या किया जाना अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

मानसून के आखिर में अगस्त से नवम्बर महीने के मध्य विशेषकर अमावस या कोहरे से भरी रात में जब चारों ओर घना अंधेरा छा जाता है और लोग अपने घर तथा आस-पास रोशनी की व्यवस्था करते हैं तब जिस तरह शमा को देखकर परवाने आकर्षित होकर लौ से टकराकर अपनी जान दे बैठते हैं ठीक उसी तरह करीब 6.30से 9.30 बजे के बीच अचानक बहुत से पक्षी चमचमाती रोशनी की वजह से अपना रास्ता भटक जाते हैं और स्थानीय लोगों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले बांसों से टकराकर नीचे गिर जाते हैं। पक्षियों के उड़ने की गति बेहद तेज होती है इसलिए जैसे ही वे टकराकर जमीन पर गिरते हैं, उनकी मौत हो जाती है। सबसे पहले इस रहस्यमय घटना का पता जेमेस नामक जनजातीय समूह के लोगों ने लगाया था। वास्तव में अत्याधिक ऊचाई पर उड़ने वाले पक्षी जब जतिंगा में बह रही तेज हवा में अपनी तेज गति से उतरते हैं तब कोहरे और आसमान में चांद न होने की वजह से वे स्थानीय लोगों द्वारा जलाई गई रोशनी में उलझ जाते हैं और बांसों से टकराकर उनकी मौत हो जाती है। स्थानीय लोग इस घटनाक्रम के लिए भूत-प्रेत, जादू-टोना तथा पारलौकिक शक्तियों को जिम्मेवार मानते हैं।

प्रख्यात प्रकृतिवादी एडवर्ड पिटचर्ड गी द्वारा 1960 में इस घटनाक्रम को वैश्विक मुद्दा बनाए जाने, प्रख्यात पक्षीविज्ञानी सलीम अली तथा अन्य संगठनों द्वारा स्थानीय लोगों को जागरूक करने के फलस्वरूप हर वर्ष मरने वाले पक्षियों की संख्या में 40 प्रतिशत तक की कमी आई है। वन संरक्षण विभाग और वन्यजीवन अभ्यारण्य द्वारा इन पक्षियों के बचाव के लिए कार्य शुरू किया जा चुका है। इसके अलावा स्वयंसेवी संस्थाएं भी जतिंगा और आसपास के गांवों के लोगों को इस घटना, कारण और उनके बचाव से जुड़ी शिक्षा प्रदान कर रही हैं।

लोगों की जागरूकता की वजह से यद्यपि हर वर्ष मरने वाले पक्षियों की संख्या में कमी आ रही है फिर भी पक्षियों ने आत्महत्या के लिए इसी स्थान (जातिंगा) को ही क्यों चुना है ? इसका रहस्य अभी भी बना हुआ है।

????????

अपर मंडल रेल प्रबंधक
पू.सी.रेल, लामडिंग

मंडल का अर्जन

यात्री अर्जन : जनवरी-मार्च 2016 के दौरान यात्रियों की संख्या 5462157 हुई। फलस्वरूप गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 119.11 करोड़ की तुलना में यात्री अर्जन से ₹ 128.22 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार यात्री अर्जन में कुल ₹ 9.11 करोड़ की वृद्धि हुई।

माल अर्जन : मंडल में कोयला, खनिज तेल, सुपारी, सिमेंट आदि आय के प्रमुख स्रोत हैं। जनवरी-मार्च 2016 के दौरान माल अर्जन से कुल ₹ 44.56 करोड़ की प्राप्ति हुई।

अन्य कोचिंग अर्जन : गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 19.67 करोड़ की तुलना में जनवरी-मार्च 2016 में अन्य कोचिंग अर्जन से कुल ₹ 29.75 करोड़ की प्राप्ति हुई है। इस प्रकार अन्य कोचिंग अर्जन में कुल ₹ 10.08 करोड़ की वृद्धि हुई है।

अन्य विविध अर्जन : गत वर्ष के समान अवधि की ₹ 6.25 करोड़ की तुलना में जनवरी-मार्च 2016 के दौरान इंजीनियरी के विविध प्राप्तियों सहित अन्य विविध प्राप्तियों से ₹ 28.26 करोड़ का अर्जन हुआ। इस प्रकार अन्य विविध अर्जन में कुल ₹ 22.01 करोड़ की वृद्धि हुई है।

मंडल में नए अधिकारियों का स्वागत

श्री जय प्रकाश ने दिनांक 22.01.2016 को लामडिंग मंडल में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/लामडिंग के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में इनका हार्दिक स्वागत है।

श्री उदय शंकर चक्रवर्ती ने दिनांक 28.04.2016 को लामडिंग मंडल में मंडल वित्त प्रबंधक/लामडिंग के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में इनका हार्दिक स्वागत है।

श्री अनिल कुमार ने दिनांक 10.02.16 को लामडिंग मंडल में मंडल प्रचालन प्रबंधक/लामडिंग के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में इनका हार्दिक स्वागत है।

श्री अमित कुमार मणि ने दिनांक 03.03.2016 को लामडिंग मंडल में सहायक सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/कार्य/लामडिंग के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में इनका हार्दिक स्वागत है।

मो. अब्दुल हाकिम ने दिनांक 13.04.2016 को लामडिंग मंडल में सहायक मंडल यॉत्रिक इंजीनियर/सवारी एवं माल डिब्बा/लामडिंग के पद पर अपना पदभार ग्रहण किया। मंडल में इनका हार्दिक स्वागत है।

संरक्षक
प्रमोद कुमार जैन
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
संजय नैय्यर
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादन एवं सहयोग
संजय कनौजिया
वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
आर. के. कोईरी
राजभाषा अधिकारी